

# डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, चर्च और अंतिम बातें, सत्र 6, पुराने नियम में परमेश्वर के लोग, प्रायश्चित, आराधना, भूमि, भविष्यवाणी और मसीहा

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा चर्च के सिद्धांतों और अंतिम बातों पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 6 है, पुराने नियम में परमेश्वर के लोग, प्रायश्चित, आराधना, भूमि, भविष्यवाणी और मसीहा।

हम परमेश्वर के लोग और प्रायश्चित के अंतर्गत अपने तीसरे उपशीर्षक पर आते हैं।

पहला था लेवितिकल बलिदान। दूसरा लेवितस 16 में प्रायश्चित का दिन था। परमेश्वर के लोगों और प्रायश्चित के अंतर्गत तीसरा उपशीर्षक यशायाह 53:10 में प्रभु के सेवक का बलिदान है। मसीहा की प्रायश्चित मृत्यु पर पुराने नियम का सबसे विस्तृत अंश यशायाह 52:13 से 53:12 तक है, चौथा सेवक गीत जो उसकी भयानक पीड़ा को दर्शाता है।

इसके लिए, 52:14 और 53:7 देखें। हालाँकि इस अंश में प्रायश्चित के कई विषय हैं, यहाँ हम बलिदान पर ध्यान केंद्रित करते हैं। श्लोक 7 इस बात का संकेत दे सकता है जब यह कहता है, वह सताया गया, वह पीड़ित हुआ, फिर भी उसने अपना मुँह नहीं खोला, जैसे एक मेमना वध के लिए ले जाया जाता है, और एक भेड़ जो अपने ऊन कतरने वालों के सामने चुप रहती है, वैसे ही उसने अपना मुँह नहीं खोला। यह मसीह को बलिदान के रूप में इंगित कर सकता है।

हालाँकि, श्लोक 10 में स्पष्ट रूप से बलिदान के रूप में उसकी मृत्यु को प्रस्तुत किया गया है। फिर भी उसे कुचलना प्रभु की इच्छा थी, और उसने उसे दुःख में डाल दिया। जब उसकी आत्मा अपराध के लिए बलिदान करती है, तो वह अपनी संतान को देखेगा, वह अपने दिनों को लम्बा करेगा, और प्रभु की इच्छा उसके हाथ में सफल होगी।

पद 11. यद्यपि प्रभु का धर्मी सेवक पाप रहित था, पद 9, फिर भी उसे कुचलना प्रभु की इच्छा थी, पद 10. हम कैसे समझा सकते हैं कि प्रभु ने अपने धर्मी सेवक को, जिसने पाप नहीं किया था, दण्ड देने के संदर्भ में कुचल दिया? वह पापी था; उसने कोई हिंसा नहीं की थी, पद 9, और उसके मुँह से कोई छल नहीं निकला था।

ऐसा लगता है कि ईश्वर अन्यायी है, जो कि अकल्पनीय है। आस्था से पहले पढ़ने पर, यह ईश्वर के प्रति अन्यायपूर्ण लगता है, जो कि बेतुका है। दो तथ्य इस गुत्थी को सुलझाते हैं।

नंबर एक, सेवक ने खुद को स्वेच्छा से पेश किया, किसी दबाव में नहीं। पद 12 में, उसने अपनी आत्मा को मृत्यु के लिए समर्पित कर दिया। उसने मरने की इच्छा जताई।

नंबर दो, और सबसे महत्वपूर्ण बात, सेवक की पीड़ा प्रतिस्थापनात्मक थी। हम इसे श्लोक 5 और 6, 8, 11 और 12 में देखते हैं। यशायाह सेवक की पीड़ा को लैव्यव्यवस्था 5 के दोष या क्षतिपूर्ति बलिदान से जोड़ता है। श्लोक 10 कहता है, जब उसका प्राण दोष के लिए बलिदान करेगा, तो वह अपनी संतान को देखेगा, वह अपने जीवन के दिन बढ़ाएगा, उसके हाथ में प्रभु की इच्छा सफल होगी।

अशम शब्द का प्रयोग महत्वपूर्ण है। अपराध-बलि: सेवक का जीवन अपराध या क्षतिपूर्ति की बलि के रूप में दिया जाता है, न कि जलाकर या शुद्ध करके या पाप करके। सबसे पहले, यह भेंट विश्वास के उल्लंघन या अपराध के लिए क्षतिपूर्ति या प्रतिपूर्ति करने पर जोर देती है।

इस्राएल यहाँ समझा रहा है, और यशायाह यहाँ समझा रहा है कि इस्राएल की वाचा के प्रति विश्वासघात के लिए परमेश्वर को कैसे प्रतिपूर्ति की जाती है। दूसरा, यह भेंट हर तरह के पाप के लिए संतुष्टि प्रदान करती है, चाहे अनजाने में किया गया हो या जानबूझकर। यही कारण है कि यशायाह 54.1 से 55:13 तक प्रदर्शित कर सकता है कि सेवक की मृत्यु पापों की क्षमा का आधार है, न केवल इस्राएल के लिए बल्कि सभी राष्ट्रों के लिए भी।

पीटर जेंट्री, उद्धरण, दक्षिणी बैपटिस्ट जर्नल ऑफ थियोलॉजी, खंड 11, ग्रीष्म 2007 में यशायाह के चौथे सेवक गीत में प्रायश्चित पर एक लेख, जो पृष्ठ 36 से था। हैरी ऑर्लिंस्की, एक उल्लेखनीय यहूदी विद्वान, इस व्याख्या को अस्वीकार करते हुए कहते हैं, यह सबसे बड़ा अन्याय होता, ईशानिंदा से कम कुछ नहीं कि कानून का पालन करने वालों की कीमत पर अधर्मियों को उनकी सजा से बख्शा जाए। हिब्रू बाइबिल में कहीं भी किसी ने ऐसा सिद्धांत नहीं प्रचारित किया, जो वाचा, विस्मयादिबोधक को पीछे छोड़ देता, जो दोषी के स्थान पर और उसके लिए स्वीकार्य प्रतिस्थापन के रूप में निर्दोष के बलिदान की अनुमति देता है।

हैरी एम. ओरलिंस्की, द्वितीय यशायाह में प्रभु के तथाकथित सेवक और पीड़ित सेवक, यशायाह की पुस्तक के दूसरे भाग में अध्ययन, ब्रिल, 1967, पृष्ठ 68, एलन गोम्स द्वारा उद्धृत, यशायाह 53 में प्रायश्चित की महिमा में, जिसे मैं आगे उद्धृत करूंगा। मैं ओरलिंस्की से सम्मानपूर्वक असहमत हूँ। एक जगह, हिब्रू बाइबिल सिखाती है कि मसीहा एक दंडात्मक, प्रतिनिधि प्रायश्चित पूरा करेगा।

यहीं, यशायाह 53:10 में, एलन गोम्स सहमत हैं। इसलिए, मैं यशायाह 53 को उद्धृत कर रहा हूँ, गोम्स एक अनोखे और सबसे असामान्य तरीके से अपराध को सहने की भाषा का उपयोग कर रहे हैं। सेवक के लिए अपराध को सहना उसके लिए प्रायश्चित करना है।

यह वास्तव में शुद्धिकरण की असाधारण प्रकृति के रहस्योद्घाटन के माध्यम से है जिसके बारे में यशायाह ने कहा था कि भविष्यवाणी मुक्ति के इतिहास में अपना सबसे विशिष्ट योगदान देती है। टोरा को कोई प्रायश्चित नहीं पता था जो यशायाह में कल्पना की गई सार्वभौमिक और स्थायी शुद्धिकरण का उत्पादन करता है। इसके बजाय, यह एक नई चीज़, यशायाह 48:7, एक धर्मी इस्राएली की आश्चर्यजनक पीड़ा, यशायाह 52:13 से 53:12 द्वारा पूरा किया जाएगा, जिसने दूसरों के पापों को सहन किया।

और फिर, यह ग्रीक्स, यशायाह में प्रायश्चित, पृष्ठ 87 से 89 है। पुराने नियम में यीशु की मृत्यु को नए नियम में बलिदान के रूप में दर्शाया गया है। लेकिन केवल यशायाह ने बलिदान के रूप में मसीहा के प्रायश्चित कार्य की भविष्यवाणी की है।

इसके अलावा, जैसा कि यशायाह 53:10 आगे बताता है, यह दर्शाता है कि बेटे के अपमान के बाद उसका उत्थान होगा। उद्धारण, वह अपनी संतान को देखेगा, वह अपने दिनों को लम्बा करेगा, प्रभु की इच्छा उसके हाथ में सफल होगी, यशायाह 53, 10, अंत की ओर। यहाँ, गीत सेवक के पुनरुत्थान की आशा करता है जब यह दर्शाता है कि वह मरने के बाद जीवित रहता है।

इस बारे में अधिक जानकारी के लिए, एलेक मोटियर, यशायाह की भविष्यवाणी, 440 और 441, यशायाह पर उनकी टिप्पणी देखें। केवल प्राचीन इस्राएल ही यहोवा को जानता था और पापों की क्षमा जो उसने अपने बलिदान प्रणाली के माध्यम से प्रदान की थी। विश्वास करने वाले इस्राएली वे लोग थे जो प्रभु को जानते थे, जिनके पापों का प्रायश्चित किया गया था, और जो उस दिन की प्रतीक्षा कर रहे थे, चाहे वह कितना भी धुंधला और दूर से क्यों न हो, जब प्रभु के सेवक यशायाह पापों के लिए अंतिम प्रायश्चित करेंगे।

हम पुराने नियम में परमेश्वर के लोगों के अगले शीर्षक की ओर बढ़ते हैं, और वह है परमेश्वर के लोग और आराधना। इस्राएल की आराधना अलग है। यह उन्हें अन्य लोगों से अलग करती है क्योंकि यह केवल यहोवा की आराधना नहीं है; यह यहोवा द्वारा विस्तृत रूप से आदेशित आराधना है।

यह श्रेणी पिछले वाले से प्रवाहित होती है। क्योंकि परमेश्वर ने अब्राहम, इसहाक और याकूब के साथ वाचा बाँधी थी, इसलिए उसके लोगों को उसकी आराधना करनी थी, उत्पत्ति 12:1 से 8। क्योंकि परमेश्वर ने सभी राष्ट्रों में से इस्राएल को चुना था, इसलिए उसके लोगों को उसकी आराधना करनी थी, व्यवस्थाविवरण 10:12 से 22। क्योंकि परमेश्वर ने इस्राएल को मिस्र की गुलामी से छुड़ाया था, इसलिए उसके लोगों को उसकी आराधना करनी थी, निर्गमन 15:1 से 21।

क्योंकि परमेश्वर के चरित्र ने इस्राएल की पहचान बनाई थी, उसके लोगों को, आप जानते हैं क्या, भजन 145 करना था। क्योंकि परमेश्वर ने इस्राएल को एक बलिदानपूर्ण पंथ और प्रायश्चित दिया था, उसके लोगों को उसकी आराधना करनी थी, निर्गमन 29:43 से 46। परमेश्वर ने अपने पुराने नियम के लोगों के साथ एक विशेष संबंध में प्रवेश किया।

उसने उनके साथ वाचा बाँधी, उन्हें चुना, उन्हें छुड़ाया, उनके सामने अपना चरित्र प्रकट किया और उनके लिए ही प्रायश्चित किया। परिणामस्वरूप, उसके लोगों को केवल उसकी ही आराधना करनी थी। उनकी पहचान यहोवा की आराधना से जुड़ी हुई थी, जिसमें वे प्रभु का नाम पुकारते थे।

बहुत से लोग उत्पत्ति 4:26 को शास्त्र में आराधना के पहले उल्लेख के रूप में देखते हैं। शेत के बेटे एनोश के जन्म के समय, हम सीखते हैं, उद्धारण, कि उस समय, लोगों ने प्रभु के नाम को पुकारना शुरू किया, जैसा कि उत्पत्ति 4.26 में बताया गया है। जैक कोलिन्स हमें बताते हैं,

उद्धरण, किसी देवता के नाम को पुकारने के लिए हिब्रू मुहावरे का अर्थ है उस देवता को आराधना में बुलाना, बिना उस विशिष्ट नाम पर जोर दिए जिसके द्वारा उपासक देवता को पुकारता है। प्रभु के नाम को पुकारना उत्पत्ति, 12:8, 13:4, 21:33, 26:25 में कहीं और दिखाई देता है। एक बार फिर, 12:8, 13:4, 21:33, 26:25, जहाँ इसे वेदियों और सार्वजनिक पूजा से जोड़ा गया है।

इस प्रकार, उत्पत्ति 4:26 नियमित दिव्य पूजा की उत्पत्ति का वर्णन करता है। कोलिन्स, उत्पत्ति 1-4, एक भाषाई, साहित्यिक और धार्मिक टिप्पणी, पीएनआर, गॉर्डन वेनहम का हवाला देते हुए, यही वह नाम है जिसे मैं खोजना चाहता था, *उत्पत्ति 1-15*, वर्ड बाइबिल कमेंट्री, पृष्ठ 116। दस आज़ाएँ।

आज़ाओं की प्रस्तावना में, परमेश्वर ने खुद को इस्राएल के उद्धारक के रूप में पहचाना। मैं यहोवा, तुम्हारा परमेश्वर हूँ, जो तुम्हें मिस्र की भूमि से, दासता के स्थान से बाहर लाया। परमेश्वर की पहली आज़ा थी, मेरे अलावा तुम्हारा कोई अन्य ईश्वर नहीं होगा, निर्गमन 23।

दूसरे ने कहा कि मूर्तियों के निर्माण और पूजा पर रोक है। उनकी पूजा में सिर मत झुकाओ। उनकी सेवा मत करो।

क्योंकि मैं, यहोवा, तुम्हारा परमेश्वर, जलन रखने वाला ईश्वर हूँ, निर्गमन 20, पद 5। विद्रोहियों पर अपने क्रोध की चेतावनी देने के बाद, परमेश्वर उन लोगों की एक हजार पीढ़ियों के लिए अपने वफादार प्रेम की घोषणा करता है जो उससे प्रेम करते हैं और उसकी आज़ा मानते हैं, पद 6। हाउस इस संबंध में दस आज़ाओं के महत्व पर जोर देता है, उद्धरण, परमेश्वर अन्य सभी देवताओं को अमान्य घोषित करता है और खुद की विशेष पूजा का आदेश देता है, निर्गमन 20:1-11, पॉल हाउस, *ओल्ड टेस्टामेंट थियोलॉजी*, पृष्ठ 88। इस्राएल के पर्व। लैव्यव्यवस्था 23 वर्णन करता है, उद्धरण, प्रभु के नियुक्त पर्व, पद 2। सब्त, फसह, प्रथम फल, सप्ताह, तुरही, प्रायश्चित का दिन और झोपड़ियाँ, पद 3-36।

इस्राएलियों को इन अवसरों पर प्रभु को भेंट चढ़ानी थी। हालाँकि, इस्राएल के परमेश्वर द्वारा निर्धारित पर्व परमेश्वर की आराधना और धन्यवाद पर केंद्रित थे। लोग भेंट चढ़ाते थे, लेकिन ध्यान स्वयं परमेश्वर पर था।

तीन उदाहरणों का हवाला देते हुए, फसह के दिन निर्गमन का जश्न मनाया गया। तम्बूओं ने जंगल में परमेश्वर द्वारा अपने लोगों को सहारा देने की याद दिलाई। बाद में, पुरीम ने यहूदियों को हामान की घातक साजिश से छुड़ाने का जश्न मनाया, एस्तेर 9, 27-28।

तम्बू और मंदिर। हम अभी भी परमेश्वर की आराधना के बारे में बात कर रहे हैं; इस्राएल के परमेश्वर की आराधना पुराने नियम में परमेश्वर के लोगों को परिभाषित करती है। तम्बू और मंदिर।

परमेश्वर ने मूसा को स्वर्गीय नमूने के अनुसार एक निवासस्थान बनाने का निर्देश दिया, निर्गमन 25:9, इब्रानियों 8:5। ताकि परमेश्वर अपने लोगों के बीच में निवास कर सके। उद्धरण, उन्हें मेरे लिए एक पवित्र स्थान बनाना है ताकि मैं उनके बीच निवास कर सकूँ, निर्गमन 25:8 और 29:45।

तम्बू एक पोर्टेबल पूजा स्थल था, जिसका उपयोग राजा सुलैमान द्वारा मंदिर बनवाए जाने तक किया जाता था। तम्बू में, जानवरों की बलि के माध्यम से परमेश्वर के निर्देश पर पूजा की जाती थी, जिसका समापन प्रायश्चित के वार्षिक दिन में होता था, जैसा कि हमने देखा है। जब तम्बू पूरा हो गया, तो परमेश्वर ने तम्बू को अपनी महिमा, बादल से भरकर पुष्टि की कि वह अपने लोगों के साथ रहेगा, ताकि मूसा भी उसमें प्रवेश न कर सके, जैसा कि हमने भी देखा है, निर्गमन 40:33-35।

राजा दाऊद, जो एक संगीतकार और गीतकार थे, के नेतृत्व में परमेश्वर की आराधना फली-फूली। उन्होंने मंदिर में सेवा करने के लिए लेवियों के 10% से अधिक लोगों को अलग रखा, और 4,000 लोग उन वाद्यों से परमेश्वर की स्तुति करेंगे जिन्हें मैंने स्तुति के लिए बनाया है, 1 इतिहास 23 :5। परमेश्वर ने पुराने नियम की आराधना में संगीत को एक प्रमुख हिस्सा बनाया, जिसमें गायक मंडली और वाद्य संगीत शामिल हैं।

विद्वान भजनों को, जो परमेश्वर की स्तुति से भरे होते हैं, भजनों की एक प्रमुख शैली मानते हैं। ट्रेम्पर लॉन्गमैन, *हाउ टू रीड द स्तोत्र*, पृष्ठ 24-26 से तुलना करें। हालाँकि परमेश्वर ने दाऊद को मंदिर बनाने से मना किया था, लेकिन उसने अपनी मृत्यु से पहले इसके निर्माण के लिए व्यापक तैयारियाँ कीं, 1 इतिहास 22:5 और 14।

मंदिर को, उद्धरण, भगवान परमेश्वर का पवित्र स्थान होना था, श्लोक 19। जब मंदिर बनकर तैयार हो गया, तो इसे समर्पित कर दिया गया, और सुलैमान ने मंदिर में पृथ्वी पर परमेश्वर के निवास की अद्भुतता को स्वीकार करते हुए एक विनम्र प्रार्थना की, 2 इतिहास 6:18। फिर एक चमत्कार हुआ जो तम्बू की याद दिलाता है, उद्धरण, जैसे ही सुलैमान ने अपनी प्रार्थना समाप्त की, स्वर्ग से आग उतरी और होमबलि और बलि को भस्म कर दिया, और प्रभु की महिमा ने मंदिर को भर दिया।

और याजक यहोवा के भवन में प्रवेश न कर सका, क्योंकि यहोवा का तेज यहोवा के भवन में भर गया था। जब सब इस्राएलियों ने आग को उतरते और परमेश्वर का तेज मन्दिर में देखा, तब वे फर्श पर भूमि की ओर मुंह करके दण्डवत् करके यहोवा को धन्यवाद देने लगे, और कहने लगे, कि वह भला है, और उसकी करुणा सदा की है। 2 इतिहास 7:1-3.

अन्य प्राचीन निकट पूर्वी लोगों के पास अपने देवताओं को समर्पित मंदिर थे, उनमें से अधिकांश ने ऐसा किया, लेकिन किसी ने भी जीवित और सच्चे परमेश्वर, स्वर्ग और पृथ्वी के निर्माता के वचन के अनुसार एक तम्बू और मंदिर नहीं बनाया। उनमें से किसी ने भी परमेश्वर की महिमा को नहीं देखा, इसके समर्पण पर पूजा संरचना को इस तरह से डाला कि कोई भी मनुष्य प्रवेश न कर सके, और उनमें से कोई भी यहोवा की पूजा द्वारा परिभाषित नहीं था, जिसने अपने लोगों को मिस्र के बंधन से छुड़ाया और अब्राहम, मूसा और दाऊद के माध्यम से उनके साथ वाचा में प्रवेश

किया। परमेश्वर के पुराने नियम के लोगों को उन लोगों के रूप में जाना जाता था जो अपने परमेश्वर यहोवा की पूजा करते थे।

हम इस बात पर शोक करते हैं कि वे अक्सर उस सम्मान के अनुरूप नहीं रहते। अगला शीर्षक, परमेश्वर के लोग और भूमि। शुरू से ही, परमेश्वर ने अपने लोगों को भूमि, अदन का बगीचा, वादा किया हुआ देश, और अंततः नया स्वर्ग और नई पृथ्वी देने की योजना बनाई थी।

इस प्रकार उसने अपने लोगों की पहचान भूमि, अदन और जलप्रलय से की। अपने लोगों के लिए परमेश्वर के प्रावधान में भूमि भी शामिल थी। परमेश्वर ने आदम और हव्वा को बनाया और उन्हें एक भूमि, अदन के बगीचे में रखा।

उत्पत्ति 2 :8 और 2:15. नूह के समय में, बड़े पैमाने पर फैली सार्वभौमिक बुराई के कारण, परमेश्वर ने एक बड़ी बाढ़ लायी और, उद्धरण, पृथ्वी पर मौजूद हर जीवित चीज़ को मिटा दिया, विशेष रूप से दुष्ट मानवता को। उत्पत्ति 7:23.

परमेश्वर ने केवल नूह और उसके परिवार को बचाया। जलप्रलय में पृथ्वी को साफ करने के बाद, परमेश्वर ने नूह से वादा किया, मैं तुम्हारे साथ अपनी वाचा स्थापित करता हूँ, और फिर कभी भी कोई प्राणी जलप्रलय के पानी से नष्ट नहीं होगा। पृथ्वी को नष्ट करने के लिए फिर कभी जलप्रलय नहीं आएगा।

उत्पत्ति 9:11. अब्राहम, इसहाक और याकूब से परमेश्वर का वादा। प्रभु ने अब्राहम को ऊर में दर्शन दिए और उसे एक महान राष्ट्र, एक महान नाम देने का वादा किया, कि वह दूसरों के लिए एक आशीर्वाद होगा, और परमेश्वर उसके माध्यम से पृथ्वी पर सभी लोगों को आशीर्वाद देगा।

उत्पत्ति 12:2 और 3. लेकिन पहले, परमेश्वर ने उससे कहा, अपने देश, अपने रिश्तेदारों और अपने पिता के घर को छोड़कर उस देश में जाओ जो मैं तुम्हें दिखाऊंगा। उत्पत्ति 12:1. उत्पत्ति 12:3 पृथ्वी के सभी राष्ट्रों के बारे में नहीं कहता है।

इसमें पृथ्वी के सभी परिवारों के बारे में बताया गया है। उत्पत्ति 22 में बाद में पृथ्वी के सभी राष्ट्रों के बारे में बताया गया है। प्रभु ने अब्राहम के बेटे इसहाक से अपनी भूमि का वादा दोहराया।

उत्पत्ति 26:3-4 और अपने पोते याकूब को। उत्पत्ति 28:4-13. वे वादा किए गए देश में प्रवेश नहीं कर पाए, लेकिन उन्होंने परमेश्वर के वादे पर भरोसा किया, जिसे वे देख नहीं सकते थे।

इब्रानियों ने अब्राहम के दर्शन को और भी आगे बढ़ाया है। उद्धरण, वह एक ऐसे शहर की प्रतीक्षा कर रहा था जिसकी नींव ऐसी हो जिसका निर्माता और निर्माता परमेश्वर हो। इब्रानियों 11-10.

इसका मतलब है कि आखिरकार, अब्राहम ने दूर से ही नए स्वर्ग और नई धरती की ओर देखा। यहोशू के अधीन विजय। हालाँकि इस्राएलियों ने परमेश्वर की अवज्ञा की और उन्हें 40 साल तक जंगल में भटकना पड़ा, लेकिन आखिरकार, उनके बच्चे यहोशू के अधीन वादा किए गए देश में प्रवेश कर गए।

भगवान ने उसे मूसा के शब्द याद दिलाए। उद्धरण, याद करो कि मूसा, भगवान के सेवक ने तुम्हें क्या आदेश दिया था जब उसने कहा था कि भगवान तुम्हें आराम देगा। वह तुम्हें यह भूमि देगा।

यहोशू 1-13. लोगों ने पवित्र युद्ध लड़ा और परमेश्वर की कृपा और शक्ति से, भूमि के अधिकांश भाग पर विजय प्राप्त की, लेकिन उन्होंने प्रभु की पूरी तरह से आज्ञा नहीं मानी और कुछ कनानियों को रहने दिया। फिर भी, परमेश्वर के दृष्टिकोण से, उद्धरण, प्रभु ने इस्राएल को वह सारी भूमि दी जिसे देने की शपथ उसने उनके पूर्वजों से ली थी, और उन्होंने उस पर अधिकार कर लिया और वहाँ बस गए।

यह एक उद्धरण है। यहोवा ने उनके पूर्वजों से की गई शपथ के अनुसार उन्हें हर तरफ से विश्राम दिया। उनका कोई भी शत्रु उनके सामने खड़ा नहीं हो सका, क्योंकि यहोवा ने उनके सभी शत्रुओं को उनके हाथ में सौंप दिया।

यहोवा ने इस्राएल के घराने से जो भी अच्छे वादे किए थे, उनमें से कोई भी पूरा नहीं हुआ। सब कुछ पूरा हुआ। यहोशू 21:43-45.

राज्य एकजुट था, विभाजित था, और निर्वासित था। शुरू से ही, परमेश्वर ने अपने लोगों के लिए योजना बनाई थी कि वे अपने देश में रहें, और एक राजा द्वारा शासित हों जो परमेश्वर के अधीन शासन करेगा। उत्पत्ति 49-8-10।

राजदण्ड यहूदा से दूर नहीं होगा। व्यवस्थाविवरण 17:14-20. परमेश्वर ने इस्राएलियों द्वारा उसे राजा के रूप में अस्वीकार करने तथा अन्य सभी राष्ट्रों की तरह राजा बनने की इच्छा को अस्वीकार कर दिया।

1 शमूएल 8:7. विद्रोह में, लोगों ने शाऊल को अपना पहला राजा चुना, जो एक अविश्वासी व्यक्ति था जिसने परमेश्वर को निराश किया और जिसे परमेश्वर ने अस्वीकार कर दिया। 1 शमूएल 16:14.

परमेश्वर ने दाऊद को राजा नियुक्त किया, और यद्यपि दाऊद ने व्यभिचार और हत्या के पाप किए, फिर भी उसने परमेश्वर से प्रेम किया और उसकी आज्ञा का पालन किया, जिसने उसके लोगों को समृद्ध बनाया। दाऊद ने यरूशलेम पर विजय प्राप्त की, विदेशी राष्ट्रों को वश में किया, और उपासना को केन्द्रीकृत किया। दाऊद के अधीन, राज्य का विकास हुआ क्योंकि उसने जनजातियों को एकजुट किया, पलिशतियों को हराया, और उत्पत्ति 15:18 में अब्राहम से किए गए परमेश्वर के भूमि के वादे को पूरा किया।

दाऊद के बेटे सुलैमान ने राज्य को अपनी सबसे बड़ी सीमा तक बढ़ाया, जिसमें आधुनिक इज़राइल और फिलिस्तीन के लगभग सभी हिस्से और पश्चिमी सीरिया के कुछ हिस्से शामिल थे। 1 राजा 4:23-25. दुख की बात है कि सुलैमान की मृत्यु के बाद, राज्य उत्तर में दस जनजातियों वाले इज़राइल में विभाजित हो गया, जो यारोबाम के अधीन था और दक्षिण में यहूदा और बिन्यामीन और यहूदा, जो सुलैमान के बेटे रूबियाम के अधीन थे।

उत्तरी राज्य धर्मत्यागी था, झूठी उपासना और परमेश्वर के विरुद्ध विद्रोह में लिप्त था, जब तक कि 722 ई.पू. में अशूरियों के अधीन उन्हें निर्वासित और बंदी नहीं बना दिया गया। 2 राजा 17:6. दक्षिणी राज्य तब तक जारी रहा जब तक कि परमेश्वर ने उन्हें बेबीलोनियों के हाथों में नहीं सौंप दिया, जिन्होंने मंदिर को नष्ट कर दिया और लोगों को 586 ई.पू. में बेबीलोन ले गए।

2 इतिहास 36:17-21. यिर्मयाह 25:11.

2 इतिहास 36:17-21. यिर्मयाह 25:11.

कैद से वापसी और नई वाचा का वादा। परमेश्वर ने इस्राएलियों को उनके पापों के कारण उनकी भूमि से निकाल दिया, और फिर फारस के राजा कुसू को उनके लौटने की अनुमति देकर और दो प्रमुख नेताओं, एज्रा और नहेम्याह को खड़ा करके उन्हें वापस लाया। एज्रा ने मंदिर के पुनर्निर्माण सहित इस्राएल की उपासना के नवीनीकरण का नेतृत्व किया, जबकि नहेम्याह ने यरूशलेम के पुनर्निर्माण का नेतृत्व किया, जिसमें इसकी दीवारें भी शामिल थीं।

हाउस सही है। उद्धरण, एज्रा के समूह की भूमि पर वापसी, अब्राहम के भूमि वादे को पूरा करने के लिए अवशेषों को खुद को अलग करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालती है। उत्पत्ति 12:9 से तुलना करें।

और पश्चाताप और पुनर्स्थापना से संबंधित उन प्रतिज्ञाओं को साकार करें जो परमेश्वर ने व्यवस्थाविवरण 30, 1-10 में की हैं। हाउस, *ओल्ड टेस्टामेंट थियोलॉजी*, पृष्ठ 516-517। अपने लोगों को उनकी वाचा भूमि पर बहाल करने में, परमेश्वर उनकी पहचान को ऐसे लोगों के रूप में रेखांकित करता है जो भूमि के हैं और जो परमेश्वर की वाचा के अनुसार, उनके हैं।

यह भूमि फिर से उनकी पहचान का हिस्सा बन जाती है। वास्तव में, यह कभी भी उनकी पहचान का हिस्सा नहीं रही, क्योंकि कैद में रहने के बावजूद, वे इसे एक बार फिर देखने के लिए तरसते रहे। भजन 137:1-6 का हवाला देते हुए।

बाबुल की नदियों के किनारे हम बैठ कर रोते थे। जब हम सिथ्योन को याद करते थे, तो वहाँ हमने चिनार के पेड़ों पर अपनी वीणाएँ टाँग दी थीं। वहाँ हमारे बंदी हमसे गीत माँगते थे, और हमारे सतानेवाले आनन्दित होकर हमारे लिए सिथ्योन के गीतों में से एक गीत गाते थे।

हम विदेशी धरती पर प्रभु का गीत कैसे गा सकते हैं? यदि मैं यरूशलेम को भूल जाऊँ, तो मेरा दाहिना हाथ अपना कौशल भूल जाए। यदि मैं तुझे याद न करूँ, तो मेरी जीभ मेरे मुँह की छत से चिपक जाए। यदि मैं यरूशलेम को अपने सबसे बड़े आनंद के रूप में न बढ़ाऊँ।

भजन 137:1-6. साथ ही, जैसा कि यिर्मयाह ने 30:1-11, 18-22, और 32:1-44 में और यहजकेल ने 34:11-15, 36:24-28 में संकेत दिया, जैसा कि यिर्मयाह और यहजकेल ने संकेत दिया, भूमि पर वापसी नई वाचा को पूरा करने के लिए प्रारंभिक थी। नई वाचा हमें मध्यस्थ के रूप में यीशु मसीह की ओर और अंततः, पूर्ण पूर्ति के लिए नए स्वर्ग और पृथ्वी की ओर संकेत करती है।

यिर्मयाह के संदर्भ यिर्मयाह 30, पद 1-11, पद 18-22, यिर्मयाह 32, पद 1-44, यहजेकेल 34:11-15, तथा यहजेकेल 36:24-28 थे।

नया आकाश और नई पृथ्वी भूमि के अंतर्गत हमारा अंतिम उपशीर्षक है। नई वाचा अब्राहमिक वाचा की पूर्ति है। उत्पत्ति, क्षमा करें, गलातियों 3:15-29, इब्रानियों 6:13-20।

गलातियों 3:15-29, इब्रानियों 6:13-20। पूर्ति की अन्य विशेषताओं में भूमि का वादा भी शामिल है। जब परमेश्वर ने अब्राहम के साथ वाचा बाँधी, तो परमेश्वर ने घोषणा की, मैं तुम्हारे वंश को मिस्र के नाले से लेकर महानद, फरात नदी तक, केनियों, कनिजियों, कदमोनियों, हितियों, परिजियों, रपाइयों, एमोरियों, कनानी, गिर्गाशियों और यबूसियों का देश दूँगा।

उत्पत्ति 15:17-21. यीशु, नई वाचा के मध्यस्थ, इब्रानियों 9:15, ने अपनी मृत्यु, लूका 22:20, और पुनरुत्थान, इब्रानियों 13:20 में इसकी पुष्टि की। विश्वासियों के लिए आश्चर्यजनक परिणाम सामने आते हैं, जिसमें पापों की क्षमा, मत्ती 26:27-28, और अनन्त विरासत, इब्रानियों 9:15, और पुनरुत्थान जिसके परिणामस्वरूप नई पृथ्वी पर अनन्त जीवन मिलता है, 1 कुरिन्थियों 15:20-22 शामिल हैं।

इससे भी ज़्यादा आश्चर्यजनक बात यह है कि यीशु का उद्धार कार्य इतना शानदार है कि यह पृथ्वी को उसके अभिशाप से भी बचाता है। प्रकाशितवाक्य 22:3 कहता है, अब कोई अभिशाप नहीं है। इसके बजाय, यीशु ने न केवल विश्वासियों, बल्कि सृष्टि को भी मेल-मिलाप कराया।

क्योंकि परमेश्वर को यह अच्छा लगा कि परमेश्वरत्व की परिपूर्णता मसीह में सशरीर वास करे, और क्रूस पर बहाए गए उसके लहू के द्वारा शांति स्थापित करके, उसके द्वारा सब वस्तुओं को अपने साथ मिला ले, चाहे वे पृथ्वी की हों या स्वर्ग की। कुलुस्सियों 1:19-20. पौलुस यही सत्य सिखाता है, इस बार छुटकारे की भाषा में।

क्योंकि सृष्टि व्यर्थता के अधीन स्वेच्छा से नहीं, बल्कि अधीन करनेवाले की ओर से की गई, इस आशा से कि सृष्टि भी विनाश के दासत्व से छुटकारा पाकर परमेश्वर की सन्तानों की महिमामय स्वतंत्रता प्राप्त करेगी। रोमियों 8:20-21. पुराने नियम में इस सिद्धांत का पूर्वानुमान लगाया गया था, क्योंकि यशायाह ने लिखा, उद्धारण, क्योंकि मैं नया आकाश और नई पृथ्वी बनाऊँगा।

पिछली घटनाएँ याद नहीं रहेंगी और मन में नहीं आएंगी। तब जो मैं बनाने जा रहा हूँ, उसमें सदा आनन्दित और मगन रहो। क्योंकि मैं यरूशलेम को आनन्दित और उसके लोगों को आनन्दित बनाऊँगा।

यशायाह 65:17, और 18. यीशु ने पुनर्जन्म के बारे में बात करते हुए कहा, मैं उद्धृत कर रहा हूँ, जब मनुष्य का पुत्र अपने महिमामय सिंहासन पर बैठेगा, तो वह अपने शिष्यों से कहता है, तुम भी 12 सिंहासनों पर बैठकर इस्राएल के गोत्रों का न्याय करोगे। मैथ्यू 19-28, न्यू अमेरिकन स्टैंडर्ड बाइबल।

पतरस ने भी इसी उद्धारण की प्रतीक्षा की थी, लेकिन उसके वादे के आधार पर, हम नए स्वर्ग और नई पृथ्वी की प्रतीक्षा करते हैं, जहाँ धार्मिकता वास करती है। 2 पतरस 3:13. मसीह की वापसी, मृतकों के पुनरुत्थान और अंतिम न्याय के बाद नई वाचा पूरी तरह फलित होगी।

प्रकाशितवाक्य 21 फिर मैंने नया आकाश और नयी पृथ्वी देखी, क्योंकि पहला आकाश और पहली पृथ्वी जाती रही थी, और समुद्र भी न रहा। फिर मैंने पवित्र नगर नये यरूशलेम को स्वर्ग से परमेश्वर के पास से उतरते देखा, जो अपने पति के लिये सिंगार किये हुए दुल्हन के समान सजी हुई थी।

फिर मैंने सिंहासन में से एक ऊँची आवाज़ सुनी: देखो, परमेश्वर मनुष्यों के बीच में रहता है। वह उनके साथ रहेगा।

वे उसके लोग होंगे, और परमेश्वर स्वयं उनके साथ रहेगा और उनका परमेश्वर होगा। वह उनकी आँखों से हर आँसू पोंछ देगा। मृत्यु नहीं रहेगी।

शोक, विलाप और पीड़ा न रहेगी, क्योंकि पुरानी बातें जाती रहेंगी। तब जो सिंहासन पर बैठा था, उसने कहा, देख, मैं सब कुछ नया कर देता हूँ। प्रकाशितवाक्य 21 :5.

परमेश्वर अपने लोगों को अनंत काल के लिए एक नई धरती पर बसाएगा। स्वर्ग और पृथ्वी तथा अदन के बगीचे के निर्माण से लेकर नए स्वर्ग और नई पृथ्वी तक, परमेश्वर ने हमेशा अपने लोगों के लिए यह योजना बनाई कि वे उस भूमि पर शरीर और आत्मा से एक हों जो वह उन्हें देगा। वास्तव में, वे उसके लोग हैं जो उसकी भूमि से पहचाने जाते हैं।

हमारा आखिरी विषय है परमेश्वर के लोग, भविष्यवाणी और मसीहा। हम यहीं पर आते हैं। भविष्यवक्ताओं के बारे में।

राष्ट्रों के घृणित कार्यों से बचें, व्यवस्थाविवरण 18-9।

इनमें मूर्तियों को बलि के रूप में बच्चों को जलाना और तथाकथित देवताओं को प्रभावित करने के लिए बनाई गई प्रथाएँ शामिल हैं, जिनमें भविष्यवाणी, जादू, शकुनों की व्याख्या करना, मंत्र पढ़ना और भविष्य की भविष्यवाणी करने के लिए मृतकों से संवाद करना शामिल है। व्यवस्थाविवरण 18:10-13। परमेश्वर के लोगों को इन तरीकों से उससे संपर्क करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए, आयत 14।

इसके बजाय, उन्हें अपने ही लोगों में से किसी एक से परमेश्वर का वचन प्राप्त करना चाहिए, जिसे प्रभु भेजेगा। मूसा ने कहा, तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तुम्हारे भाइयों में से तुम्हारे लिए मेरे जैसा एक नबी खड़ा करेगा। तुम्हें उसकी बात सुननी चाहिए, आयत 15 और 18।

परमेश्वर अपने लोगों की पहचान नबी से करता है, क्योंकि वह उनके अपने भाइयों में से एक है। वह उनके सामने परमेश्वर का प्रतिनिधित्व करता है, और वे उससे परमेश्वर का संदेश प्राप्त करते हैं। मुझे इस भाग को लिखने में सहायता मिली।

यह एक लोकप्रिय पुस्तक है, लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप इसके बारे में जानें। वैन लीज़ और रॉबर्ट पीटरसन, भविष्यवाणी में यीशु, कैसे मसीह का जीवन बाइबिल की भविष्यवाणियों को पूरा करता है। वैन लीज़ और रॉबर्ट पीटरसन, भविष्यवाणी में यीशु, कैसे मसीह का जीवन बाइबिल की भविष्यवाणियों को पूरा करता है।

उम्मीद है कि कुछ महीनों में यह फिर से अमेज़न पर उपलब्ध हो जाएगा। इसके मूल छोटे प्रकाशक ने अपनी दुकान बंद कर दी है। लोगों को परमेश्वर के भविष्यवक्ता की बात माननी चाहिए, क्योंकि उसने कहा था, मैं अपने शब्द उसके मुँह में डालूँगा, व्यवस्थाविवरण 18-18, और वह उन्हें सब कुछ बताएगा जो मैं बताऊँगा।

उसे आज्ञा दो, उसे आज्ञा दो। परमेश्वर जवाबदेह ठहराएगा, उद्धरण, जो कोई भी उसके भविष्यवक्ता के माध्यम से कहे गए उसके शब्दों को नहीं सुनता, पद 19। झूठे भविष्यवक्ताओं को मौत की सज़ा दी जानी चाहिए, पद 20।

लोग सच्चे भविष्यवक्ताओं को झूठे भविष्यवक्ताओं से अलग पहचान सकते हैं क्योंकि परमेश्वर के भविष्यवक्ताओं का वचन सच होगा, झूठे भविष्यवक्ताओं के वचनों के विपरीत, पद 22। व्यवस्थाविवरण 18 की भविष्यवाणियों में परमेश्वर की संपूर्ण भविष्यवाणियों की संस्था के बारे में बताया गया है जो यीशु मसीह में परिणत होती है। प्रेरितों के काम 4 :22-23 में उन्हें अंततः मूसा द्वारा भविष्यवाणी किए गए भविष्यवक्ता के रूप में पहचाना गया है।

उनकी भविष्यवाणियाँ, भविष्यवक्ता और उनकी भविष्यवाणियाँ। परमेश्वर ने अपने पुराने नियम के लोगों को उन लोगों के रूप में पहचाना जिनके पास परमेश्वर का वचन आया, क्योंकि, उद्धरण, बहुत पहले कई बार और कई तरीकों से, परमेश्वर ने भविष्यवक्ताओं के माध्यम से हमारे पूर्वजों से बात की थी, इब्रानियों 1:1। मुख्य रूप से, परमेश्वर के भविष्यवक्ताओं ने वर्तमान से बात की क्योंकि वे अपने समकालीनों के लिए परमेश्वर के जीवन-परिवर्तनकारी संदेश लेकर आए थे।

उदाहरण के लिए, यशायाह ने मुख्य रूप से भटके हुए इस्राएल के विरुद्ध परमेश्वर के न्याय का संदेश दिया। यशायाह की भविष्यवाणियाँ कम संख्या में भविष्य, प्रतिज्ञात उद्धारक के बारे में भी बताती हैं। इस प्रकार भविष्यवाणी वर्तमान से बात करती है; हम इसे भविष्य कथन कहते हैं, और भविष्य को पूर्व कथन।

भविष्य बताना, भविष्य में भविष्यवाणी करना। परमेश्वर ने भविष्यवाणी की थी कि अब्राहम के वंशज 400 साल तक एक विदेशी राष्ट्र में गुलाम रहेंगे और परमेश्वर उस राष्ट्र का न्याय करेगा जिसकी वे सेवा करते हैं, और उसके बाद, वे बहुत सारी संपत्ति लेकर बाहर निकलेंगे, उत्पत्ति 15-14। परमेश्वर ने इन वचनों को मिस्र के विरुद्ध विपत्तियों और अपने लोगों को दासता से मुक्ति दिलाने के साथ पूरा किया, निर्गमन 12।

मिस्रियों ने इस्राएलियों को जाते देखकर खुशी मनाई और उन्हें सोने-चाँदी के साथ विदा किया, निर्गमन 12:35-36। परमेश्वर ने भविष्यवाणी की थी कि उसके विरुद्ध विद्रोह के कारण, यहूदा के दक्षिणी राज्य को 70 वर्षों के लिए बेबीलोन द्वारा बंदी बना लिया जाएगा। यिर्मयाह 25:11.

उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की कि परमेश्वर बाबुल को उसके पापों के कारण नष्ट कर देगा, यिर्मयाह 25:12। ये भविष्यवाणियाँ तब पूरी हुईं जब बाबुल ने इस्राएलियों को हराया और उन्हें ले गया, 2 राजा 25:1-12। और जब बाबुल और उसके राजा को उखाड़ फेंका गया, दानियेल अध्याय 5। मसीहा की भविष्यवाणियाँ।

हम दाऊद के शाही बेटे को देखना चाहते हैं, यशायाह के पीड़ित सेवक, दानियेल के मनुष्य के बेटे को भी देखना चाहते हैं, और फिर हम निष्कर्ष निकालेंगे। न केवल भविष्यवाणियाँ, भविष्यद्वक्ता, भविष्यद्वक्ताओं की भविष्यवाणियाँ और मसीहा, बल्कि परमेश्वर के पुराने नियम के लोग। भविष्यद्वक्ता ने मसीहा के बारे में भविष्यवाणियाँ कीं।

भविष्यद्वक्ता ने वादा किए गए व्यक्ति, मसीहा के भविष्य में आने की बात कही, हालाँकि वे अक्सर उस शब्द का इस्तेमाल नहीं करते थे। हम पुराने नियम से तीन प्रमुख मसीहाई विषयों की जाँच करेंगे। दाऊद का शाही बेटा, यशायाह का पीड़ित सेवक, दानियेल का मनुष्य का पुत्र।

दाऊद का शाही बेटा। यहोवा ने दाऊद के लिए घर बनाने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया और इसके बजाय उसने कहा कि वह दाऊद के नाम को महान बनाएगा, उसे उसके शत्रुओं से विश्राम देगा, और उसके लिए एक घर बनाएगा, 2 शमूएल 7 :9-11। घर से, परमेश्वर का मतलब दाऊद से आने वाला शाही राजवंश था।

परमेश्वर दाऊद के सेवकों में से एक को सिंहासन पर बिठाएगा, वह एक मंदिर बनाएगा, और परमेश्वर अपने राज्य के सिंहासन को सदा के लिए स्थापित करेगा, उद्धरण बंद करें। 2 शमूएल 7:13, भजन 89:3 और 4, भजन 89:35 से 37। परमेश्वर ने सुलैमान के बारे में बात की, जिसके साथ परमेश्वर ने दृढ़ प्रेम के साथ अपने पुत्र के समान व्यवहार करने का वादा किया था।

प्रभु ने दाऊद को आश्वासन दिया, उद्धरण, तेरा घराना और तेरा राज्य मेरे सामने सदैव बना रहेगा, और तेरा सिंहासन सदैव स्थापित रहेगा, 2 शमूएल 7:16। यह दाऊदी वाचा की संस्था है जिसके बारे में हमने पहले बात की थी। राजाओं की दाऊदी वंशावली, जिसे यह स्थापित करती है, दाऊद के महान पुत्र, यीशु मसीह के शासनकाल में समाप्त होती है।

यशायाह मसीहा को दाऊद वंश के उत्तराधिकारी के रूप में गवाही देता है। यशायाह 9:6 और 7. क्योंकि हमारे लिए एक बच्चा पैदा होगा, एक बेटा हमें दिया जाएगा, और सरकार उसके कंधों पर होगी। उसका नाम अद्भुत परामर्शदाता, शक्तिशाली ईश्वर, शाश्वत पिता, शांति का राजकुमार रखा जाएगा।

प्रभुता विशाल होगी और उसकी समृद्धि कभी समाप्त नहीं होगी। वह दाऊद के सिंहासन पर और उसके राज्य पर शासन करेगा और उसे अब से लेकर हमेशा के लिए न्याय और धार्मिकता के साथ स्थापित और बनाए रखेगा। सेनाओं के प्रभु का उत्साह इसे पूरा करेगा।

यशायाह 9:6 और 7. मसीहा की अपने लोगों के साथ पहचान उद्धरण की पहली पंक्ति में हमारे लिए और हमारे लिए शब्दों में पाई जाती है। हमारे लिए, एक बच्चा पैदा हुआ है, एक बेटा दिया

गया है। यह विचार तब और मजबूत हो जाता है जब हम वादा किए गए व्यक्ति की भूमिका के बारे में सीखते हैं।

वह हमेशा के लिए परमेश्वर के लोगों पर शासन करेगा। नया नियम इस बारे में कोई संदेह नहीं छोड़ता कि दाऊद का अंतिम पुत्र कौन है। गेब्रियल द्वारा मरियम को यह बताने के बाद कि वह एक पुत्र को जन्म देगी जिसका नाम वह यीशु रखेगी, वह कहता है, उद्धारण, वह महान होगा और उसे सर्वोच्च का पुत्र कहा जाएगा, और प्रभु परमेश्वर उसे उसके पिता दाऊद का सिंहासन देगा।

वह याकूब के घराने पर सदा राज्य करेगा, और उसके राज्य का अन्त न होगा। लूका 1:32 से 33. मरियम का पुत्र परमेश्वर का पुत्र है।

वह न केवल अपने लोगों की खातिर मरेगा, बल्कि वह दाऊद के सिंहासन पर हमेशा के लिए उन पर राज भी करेगा। हिब्रू पुराने नियम के रहस्योद्घाटन के मध्यस्थों, भविष्यवक्ताओं और स्वर्गदूतों पर परमेश्वर के पुत्र की महानता का जश्न मनाता है। स्वर्ग में परमेश्वर के दाहिने हाथ पर उसका बैठना उसका राज्याभिषेक है।

जब पिता घोषणा करता है, उद्धारण, तुम मेरे बेटे हो, आज मैं तुम्हारा पिता बन गया हूँ, या फिर, मैं उसका पिता बनूँगा, वह मेरा बेटा होगा, क्रमशः भजन 2:7 और 2 शमूएल 7:15 का हवाला देते हुए। यहाँ दाऊद की वाचा की भाषा में, परमेश्वर के पुत्र को अपने लोगों पर स्वर्गीय राजा का ताज पहनाया जाता है। यीशु परमेश्वर दाऊद का शाही पुत्र है और इस तरह वह अब स्वर्ग से अपने लोगों पर राज करता है और नई धरती पर परमेश्वर के सभी पुनर्जीवित लोगों पर हमेशा राज करेगा।

इस प्रकार वह परमेश्वर के लोगों को उन लोगों के रूप में परिभाषित करता है जो उसके सामने घुटने टेकते हैं और उसे प्रभु के रूप में स्वीकार करते हैं। यशायाह का पीड़ित सेवक। दूसरा प्रमुख मसीहाई विषय यशायाह में प्रभु का सेवक है।

सेवक चार गीतों में दिखाई देता है, जिनमें से अंतिम यशायाह 52:13 से 53:12 तक है। हालाँकि अक्सर पहचाना नहीं जाता, लेकिन गीत के मुख्य भाग में सेवक का अपमान शुरुआत और अंत में उसके उत्कर्ष के शब्दों से घिरा हुआ है। वह बहुत ऊंचा किया जाएगा, 52-13, और वह शक्तिशाली को लूट लेगा।

वह शक्तिशाली लोगों के साथ लूट प्राप्त करेगा, यशायाह 53:12। यह समावेशन सेवक की भयानक पीड़ा को दर्शाने वाले शब्दों के इर्द-गिर्द है। सेवक पाप रहित था, क्योंकि परमेश्वर उसे मेरा धर्मी सेवक कहता है, 53:11, और कहता है कि उसने कोई हिंसा नहीं की और न ही छल की बात कही।

उसके मुँह से कोई छल नहीं निकला, श्लोक 9. इसके अलावा, सेवक की मुक्ति पीड़ा स्वैच्छिक थी, जैसा कि भविष्यवक्ता कहता है। उसने स्वेच्छा से मृत्यु को स्वीकार किया और विद्रोहियों के बीच उसका मुकाबला किया गया। फिर भी उसने बहुतों के पाप को अपने ऊपर लिया और विद्रोहियों के लिए मध्यस्थता की, श्लोक 12.

यशायाह पीड़ित सेवक के प्रायश्चित चित्र प्रस्तुत करता है। वह प्रतिस्थापन को पूरा करके अपने लोगों को बचाएगा। हमारे विद्रोह के कारण उसे छेदा गया था।

वह हमारे अपराधों के लिए छेदा गया था। वह हमारे अधर्म के लिए कुचला गया था। उस पर वह दण्ड था जो हमें शांति प्रदान करता है, और उसके घावों से हम चंगे होते हैं।

हम सब भेड़ों की तरह भटक गए हैं। हम में से हर एक ने अपना-अपना मार्ग लिया है, और यहोवा ने हम सब के अधर्म का बोझ उसी पर डाल दिया है। सेवक बलिदान भी पूरा करता है, जिससे धर्मी ठहराया जाता है, यशायाह 53 की आयत 10 और 11।

फिर भी यहोवा की इच्छा थी कि वह उसे कुचल दे। उसने उसे दुःख में डाल दिया है। जब उसकी आत्मा अपराध के लिए बलिदान करेगी, तो वह अपना बलिदान देखेगा, वह अपने जीवन को लम्बा करेगा, और यहोवा की इच्छा उसके हाथ में सफल होगी।

पद्य 11, वह अपने प्राण की वेदना से देखेगा और तृप्त होगा। धर्मी, मेरा सेवक, अपने ज्ञान से बहुतों को धर्मी ठहराएगा, और उनके अधर्म का बोझ उठाएगा। विजय।

श्लोक 10 फिर से, वह अपनी भेंट देखेगा, अपने दिन बढ़ाएगा, और उसके हाथ में प्रभु की इच्छा सफल होगी। प्रभु का धर्मी सेवक अपने लोगों के साथ पहचान रखता है, क्योंकि वह न केवल उनके लिए बल्कि उनके स्थान पर प्रायश्चित करता है। उसका बलिदान उन लोगों को बचाता है जो खुद को नहीं बचा सकते थे, जैसा कि हम पहले ही पढ़ चुके हैं।

परिणामस्वरूप, परमेश्वर के पुराने नियम के लोगों को उन लोगों के रूप में पहचाना जा सकता है जिनके लिए प्रभु के सेवक ने अपनी जान दी, जिनके लिए उसने प्रायश्चित किया। ये वे लोग हैं जिनके पापों को सेवक द्वारा मृत्यु तक पीड़ित होने के कारण क्षमा किया जाता है। यूनाइटेड बाइबल सोसाइटी ग्रीक न्यू टेस्टामेंट के चौथे संस्करण में यशायाह 52:15 से 53:12 तक के सात नए नियम के उद्धरण सूचीबद्ध हैं।

स्पष्ट रूप से, यशायाह के चौथे सेवक गीत ने मत्ती, लूका, प्रेरितों के काम, यूहन्ना, पौलुस और पतरस सहित विभिन्न नए नियम के लेखकों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला। ऐसा इसलिए है क्योंकि पीड़ित सेवक जिसने परमेश्वर के पुराने नियम के लोगों को परिभाषित करने में मदद की, वह दुनिया का उद्धारकर्ता था। दानिय्येल, मनुष्य का पुत्र, तीसरी प्रमुख मसीहाई छवि दानिय्येल में पाई जाती है।

भविष्यवक्ता को चार डरावने जानवरों का दर्शन हुआ, जिससे वह भयभीत हो गया, दानिय्येल 7 आयत 15 और 28, और बाद में, उसने समझा कि बाद वाले ने चार राजाओं और उनके राज्यों का प्रतिनिधित्व किया। दानिय्येल ने एक स्वर्गीय न्यायालय का दृश्य दर्ज किया है जिसमें परमेश्वर, प्राचीनतम, ने अध्यक्षता की। वह पवित्र के रूप में दिखाई दिया, एक सिंहासन द्वारा निहित, क्षमा करें, सफेद कपड़े, और बाल, जो पवित्रता है, अपने रथ सिंहासन पर; यहजेकेल 1 की तुलना

करें, उसकी उपस्थिति को एक सिंहासन और आग के पहियों द्वारा दर्शाया गया था, दानियेल 7:9। सेवकों की एक बड़ी संख्या स्वर्गीय दृश्य में योगदान देती है।

दानियेल 7:10 में निर्धारित चरण, जब न्यायालय न्याय करने बैठा और पुस्तकें खोली गईं, पद 10. और परमेश्वर ने पशुओं का न्याय करना शुरू किया, पद 11 और 12. इसके बाद, हम अपनी वर्तमान चिंता के केन्द्र में आते हैं।

दानियेल 7:13 और 14 में दानियेल ने बताया। मैंने रात के दर्शन में देखा कि आकाश के बादलों के साथ मनुष्य के पुत्र जैसा कोई आया, और वह अति प्राचीन के पास आया, और उसके सामने उपस्थित हुआ, और उसे एक राज्य में प्रभुता और महिमा दी गई, ताकि सभी लोग और जातियाँ और भाषाएँ बोलनेवाले उसके अधीन हों। उसका प्रभुत्व एक शाश्वत राज्य है, शाश्वत प्रभुत्व, जो कभी नहीं मिटेगा, और उसका राज्य ऐसा है जो नष्ट नहीं होगा।

यह मनुष्य के पुत्र जैसा कौन है? यह नाम एक मानव प्राणी को इंगित करता है और उत्पत्ति 1:26, 27 में परमेश्वर की छवि में बनाई गई मानवता को याद दिलाता है। लेकिन बादल जिस पर मनुष्य का पुत्र आता है, वह परमेश्वर की उपस्थिति को दर्शाता है जैसा कि वे अक्सर शास्त्रों में करते हैं। इसके अलावा, मनुष्य का पुत्र प्राचीन काल से पहले आता है, और परमेश्वर मनुष्य के पुत्र को एक राज्य में प्रभुत्व और महिमा देता है ताकि हर जगह हर भाषा के सभी लोग उसकी सेवा करें।

दानियेल 7:13, 14. उसका प्रभुत्व, सम्मान और शासन प्राप्त करना हमें उत्पत्ति 1:28 में वर्णित आदम की याद दिलाता है। फिर भी, बादल ईश्वरीय गरिमा को दर्शाते हैं।

ईश्वर की उपस्थिति और सार्वभौमिक शासन में प्रवेश एक मानव आकृति की ओर इशारा करता है, जैसे कि मनुष्य का पुत्र, जो दिव्य भी है। डैनियल का संदेश रहस्यमय है, और केवल मनुष्य के इस पुत्र का आना ही पूरी तरह से प्रकाशित होगा। डैनियल चिंतित है और अपने दर्शन के अर्थ के बारे में अपनी खुद की उलझन को स्वीकार करता है और इसकी व्याख्या करने में मदद मांगता है।

परमप्रधान के संत राज्य प्राप्त करेंगे और राज्य को हमेशा के लिए प्राप्त करेंगे। दानियेल 7:18। यहाँ, मनुष्य के पुत्र के समान व्यक्ति की पहचान परमेश्वर के संतों, उसके लोगों के साथ की गई है।

इस प्रकार मनुष्य के पुत्र का व्यक्तिगत और सामूहिक संदर्भ दोनों ही प्रतीत होता है, ठीक वैसे ही जैसे पशु राजाओं और उनके राज्यों दोनों का प्रतिनिधित्व करता है। भविष्यवक्ता पशुओं के बारे में अधिक विचार करता है, लेकिन हमारा सरोकार उन विवरणों से नहीं, बल्कि प्राचीन से है, बल्कि उस समय से है जब प्राचीन काल का आगमन हुआ, और सर्वोच्च के पवित्र लोगों के पक्ष में निर्णय दिया गया। क्योंकि समय आ गया था, और पवित्र लोगों ने राज्य पर अधिकार कर लिया, श्लोक 22।

परमेश्वर अपने लोगों के लिए लड़ता है और यद्यपि वे नुकसान उठाते हैं, फिर भी वह उन्हें जानवरों पर विजय दिलाता है। यह तब भी होता है जब चौथा जानवर पूरी पृथ्वी को खा जाता है

और उसे कुचल देता है, श्लोक 23। और एक राजा परमेश्वर का विरोध करता है और उसके लोगों पर अत्याचार करता है, श्लोक 24, 25।

जब दानियेल 26 और 27 वें श्लोक में इस मामले के बारे में अपना अंतिम रहस्योद्घाटन बताता है, तो वह थक जाता है। लेकिन न्यायालय न्याय करने बैठेगा और उसका प्रभुत्व छीन लिया जाएगा, चौथा जानवर, अंत तक भस्म और नष्ट हो जाएगा। और राज्य और प्रभुत्व और पूरे आकाश के नीचे के राज्यों की महानता परमप्रधान के संतों के लोगों को दी जाएगी।

उसका राज्य एक शाश्वत राज्य होगा, और सभी प्रभुत्व उसकी सेवा करेंगे और उसकी आज्ञा मानेंगे। फिर से, सामूहिक और विलक्षण। जॉयस बाल्डविन, एक अद्भुत पुराने नियम की टिप्पणीकार, मेरा मानना है कि वह अब प्रभु के साथ है, इस स्थिति का सटीक आकलन करती है, उद्धरण, श्लोक 27, श्लोक 14 की व्याख्या, संतों के लोगों और मनुष्य के पुत्र की तरह एक के बीच एक पहचान का संकेत देती है और इस प्रकार इन शीर्षकों के अर्थ तक पहुँचने के किसी भी प्रयास में विशेषता होनी चाहिए, उद्धरण बंद करें।

बाल्डविन ने डैनियल पर एक टिप्पणी लिखी, डैनियल पर टिंडेल ओल्ड टेस्टामेंट टिप्पणी। यह बहुत स्पष्ट और सहायक है, जैसा कि उनका पूरा लेखन है। रहस्य बना हुआ है और सभी विवरण स्पष्ट नहीं हैं, कम से कम मेरे लिए, लेकिन डैनियल का मूल संदेश स्पष्ट लगता है।

मनुष्य के पुत्र जैसा व्यक्ति एक दिव्य-मानव आकृति है जो पृथ्वी की दुष्ट शक्तियों पर उनकी जीत में परमेश्वर के लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। केवल यीशु मसीह का आना, जो कि नए नियम का मनुष्य का पुत्र है, धागे को एक साथ खींचता है। दानियेल के लिखने से पहले, पुराने नियम में मनुष्य के पुत्र के बारे में कमजोर, नश्वर मानवता के संदर्भ में बात की गई थी।

मनुष्य क्या है कि तू उसका ध्यान रखता है? मनुष्य का पुत्र कि तू उसकी देखभाल करता है, व्यवस्थाविवरण 8 :4. भजन 8 हमारे पहले माता-पिता, एक रचना को दिए गए सम्मान और प्रभुत्व का प्रतिबिंब है, जैसा कि उत्पत्ति 1 में बताया गया है। दानियेल द्वारा मनुष्य के पुत्र का उपयोग, बदले में, भजन 8 और उत्पत्ति 1 की याद दिलाता है, लेकिन वह उस मानवीय संदर्भ में दिव्य विशेषताओं को जोड़ता है। जब यीशु आता है, तो वह अक्सर खुद को मनुष्य के पुत्र के रूप में संदर्भित करता है, हमेशा तीसरे व्यक्ति में, अपने श्रोताओं को भ्रमित करता है। यीशु दानियेल के मनुष्य का पुत्र है, एक वास्तविक मानव प्राणी और एक ही समय में अपने अवतार के आधार पर ईश्वर।

इसके अलावा, जैसा कि दानियेल के प्रयोग से पता चलता है कि मनुष्य का पुत्र परमेश्वर के लोगों का एक व्यक्ति और समुदाय दोनों है, यीशु अपने लोगों का प्रतिनिधि है। वह परमेश्वर के लोगों से प्रेम करता है और उनके स्थान पर मरता है। इस प्रकार वह उन्हें छुड़ाता है और इस प्रकार अपना चर्च बनाता है, मत्ती 16:18। दानियेल हमें मनुष्य के पुत्र की परमेश्वर के लोगों के साथ पहचान की दिशा में इंगित करता है और यीशु अपने जीवन, मृत्यु और पुनरुत्थान के माध्यम से उस संबंध को स्पष्ट करता है।

परमेश्वर के लोग प्रभु यीशु मसीह के लोग हैं, जिन्होंने उनसे प्रेम किया और उनके लिए खुद को दे दिया, और हमेशा के लिए उन्हें अपना बना लिया। निष्कर्ष। निष्कर्ष।

पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं और उनकी भविष्यवाणियों का सारांश देने के बाद, हम वादा किए गए उद्धारक के तीन पुराने नियम के चित्रों की जाँच करते हैं। दाऊद का शाही बेटा, यशायाह का प्रभु का सेवक, और दानिय्येल का मनुष्य का पुत्र। परमेश्वर के लोगों, भविष्यवाणी और मसीहा के बारे में हमारा विचार पुराने नियम में परमेश्वर के लोगों के हमारे सर्वेक्षण को समाप्त करने के लिए एक अच्छा स्थान है।

यह नए नियम में परमेश्वर के लोगों के बारे में हमारे अध्ययन के लिए एक पुल का काम भी करता है, क्योंकि जो इसे नया बनाता है वह है वादा किए गए व्यक्ति का आना, नासरत के यीशु के रूप में उनका अवतार, अपने लोगों को उनके पापों से बचाने के लिए। हमारे अगले व्याख्यान में, हम चर्च के ऐतिहासिक धर्मशास्त्र पर विचार करना शुरू करेंगे।

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा चर्च के सिद्धांतों और अंतिम चीजों पर उनके शिक्षण में है। यह सत्र 6 है, पुराने नियम में परमेश्वर के लोग, प्रायश्चित, आराधना, भूमि, भविष्यवाणी और मसीहा।